

# कन्हैया ले चल परली पार, साँवरिया ले चल परली पार Bhajans Bhakti Songs

कन्हैया ले चल परली पार,  
साँवरिया ले चल परली पार ।  
जहां विराजे राधा रानी,  
अलबेली सरकार ॥

विनती मेरी मान सनेही,  
तन मन है कुर्बान सनेही,  
कब से आस लिए बैठी हूँ,  
जग को बाँध किये बैठी हूँ,  
मैं तो तेरे संग चलूंगी ।  
ले चल मुझको पार ॥  
साँवरिया ले चल परली पार...

गुण अवगुण सब तेरे अर्पण,  
पाप पुण्य सब तेरे अर्पण,  
बुद्धि सहत मन तेरे अर्पण,  
यह जीवन भी तेरे अर्पण ।  
मैं तेरे चरणो की दासी

मेरे प्राण आधार ॥  
साँवरिया ले चल परली पार...

तेरी आस लगा बैठी हूँ,  
लज्जा शील गवा बैठी हूँ,  
मैं अपना आप लूटा बैठी हूँ,  
आँखें खूब थका बैठी हूँ ।  
साँवरिया मैं तेरी रागिनी,  
तू मेरा राग मल्हार ॥  
साँवरिया ले चल परली पार...

जग की कुछ परवाह नहीं है,  
सूझती अब कोई राह नहीं है.  
तेरे बिना कोई चाह नहीं है.  
और बची कोई राह नहीं है ।  
मेरे प्रीतम, मेरे माझी,  
अब करदो बेडा पार ॥  
साँवरिया ले चल परली पार...

आनंद धन जहा बरस रहा,  
पीय पीय कर कोई बरस रहा है,  
पत्ता पत्ता हरष रहा है,  
भगत बेचारा क्यों तरस रहा है ।  
बहुत हुई अब हार गयी मैं,  
क्यों छोड़ा मझदार ॥



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>